



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 299]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 12, 2010/कार्तिक 21, 1932

No. 299]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 12, 2010/KARTIKA 21, 1932

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 12 नवम्बर, 2010

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) (चौथा संशोधन) विनियम, 2010

फा. सं. एलएडी-एनआरओ/जी.एन./2010-11/19/26456.— बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2009, का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) (चौथा संशोधन) विनियम, 2010 कहा जा सकेगा।
(ii) ये विनियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2009 में -
 - (i) विनियम 2 में,-
 - (क) उप-विनियम (1) में, खंड (यघ) में, उप-खंड (xi) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-खंड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(xii) भारतीय डाक विभाग द्वारा गठित और प्रबंधित बीमा निधियाँ।”
 - (ख) उप-विनियम (1) में खंड (यड) में, शब्दों “एक लाख” के लिए शब्द “दो लाख” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;
 - (ग) उप-विनियम (1) में, खंड (यच) में, उप-खण्ड (i) का लोप किया जायेगा;
 - (घ) उप-विनियम (1) में खंड (यच) में, उप-खंड (ii) में, शब्दों “एक लाख” के लिए शब्द “दो लाख” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;
 - (ii) विनियम 8 में, उप-विनियम (1) में खंड (ड) में, शब्द और अंक “अनुसूची VII” के लिए शब्द और अंक “अनुसूची VIII” प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

- (iii) विनियम 9 में, उप-विनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—
- “(3) निर्गमकर्ता या तो बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख को या अगले दिन व्यापक परिचालन वाले एक अंग्रेजी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र व्यापक परिचालन वाले एक हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र और उस स्थान पर जहाँ पर निर्गमकर्ता का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्थित है, व्यापक परिचालन वाले प्रदेशिक भाषा के एक दैनिक समाचारपत्र में जनता को बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने का तथ्य प्रकट करते हुए और जनता को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में किये गये प्रकटीकरण के संबंध में बोर्ड को अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए आमंत्रित करते हुए एक सार्वजनिक घोषणा करेगा।”
- (iv) विनियम 16 में, उप-विनियम (1) में, परंतुक में, शब्दों “लोक वित्तीय संस्था” के पश्चात् शब्द “या बीमा कंपनी” अंतःस्थापित किये जायेंगे;
- (v) विनियम 26 में, उप-विनियम (5) में,—
- (क) उप-विनियम (5) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—
- “(5) कोई भी निर्गमकर्ता आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव नहीं लायेगा यदि कोई बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ हों या कोई अन्य अधिकार हो जो किसी व्यक्ति को इक्विटी शेयरों को प्राप्त करने के किसी विकल्प का हकदार बना देगा:”
- (ख) परंतुक में, खंड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—
- “(ग) पूर्णतः समादत्त बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ जिन्हें बोर्ड के पास रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गमों के मामले में) या प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमत वाले निर्गम के मामले में) दाखिल करने की तारीख को या उस से पूर्व संपरिवर्तित किया जाना अपेक्षित है।”
- (vi) विनियम 29 में, खंड (क) में, शब्दों “एक लाख” के लिए, शब्द “दो लाख” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;
- (vii) विनियम 34 में, खंड (ख) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा—
- “(ख) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव के मामले में लागू नहीं होंगी, जहाँ निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयर मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में कम से कम तीन वर्षों की कालावधि के लिए बार-बार व्यापारित होते हैं और निर्गमकर्ता का ठीक पहले के कम से कम तीन वर्षों का लाभांश अदायगी का पिछला रिकार्ड (ट्रैक रिकार्ड) है :
- “परन्तु यह कि जहाँ संप्रवर्तक प्रस्ताविक विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों में उतना अभिदान करने का प्रस्ताव करते हैं जो कि विनियम 32 के उप-विनियम (1) के खण्ड (ख) में उपलब्ध दो विकल्पों में से जो भी उच्चतर हो उससे अधिक हो, तो वहाँ ऐसे प्रतिशत से अधिक अभिदान विनियम 76 के उपबंधों के अनुसार अवधारित कीमत या निर्गम कीमत पर, जो भी अधिक हो, किया जायेगा;”
- (viii) विनियम 42 में, उप-विनियम (4) में, खंड (छ) में, शब्दों “एक लाख” के लिए शब्द “दो लाख” अंतःस्थापित किये जायेंगे।
- (ix) विनियम 43 में, उप-विनियम (2) में, खंड (ग) में, दूसरे परंतुक का लोप किया जायेगा;
- (x) विनियम 50 में, उप-विनियम (1) में परंतुक में, शब्दों “एक लाख” के लिए शब्द “दो लाख” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;
- (xi) विनियम 54 में, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—
- “(7) निर्गमकर्ता सभी विनिधानकर्ताओं को निम्नलिखित में से केवल एक भुगतान विकल्प देगा—
- (क) आवेदन के समय आंशिक भुगतान और शेष धन किस्तों में अदा किया जाना; या
- (ख) आवेदन के समय पूरा भुगतान :
- परंतु यह कि जहाँ निर्गमकर्ता ने विनिधानकर्ताओं को आंशिक भुगतान का विकल्प दिया है, ऐसा निर्गमकर्ता ऐसा किया जाना सुकर बनाने के लिए आवश्यक विनियामक अनुमोदन अभिप्राप्त करेगा।”
- (xii) विनियम 55 में, शब्दों “एक लाख” के लिए शब्द “दो लाख” प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

(xii) विनियम 60 में, उप-विनियम (13) के पश्चात् निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(14) मर्चेट बैंककार बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख और निर्गम के बंद होने की तारीख के बीच की कालावधि के लिए, निम्नलिखित में से किसी भी मीडिया में प्रकट होनेवाले समाचार रिपोर्टों के संबंध में, अनुसूची XIII में भाग घ में विनिर्दिष्ट फार्मेट में अनुपालना प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे ;

(क) विनियम 9 के उप-विनियम (3) में उल्लिखित समाचारपत्र;

(ख) प्रमुख कारबारी पत्रिकाएँ ;

(ग) मीडिया समूह द्वारा नियंत्रित प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जहाँ मीडिया समूह का निर्गमकर्ता या निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों के साथ निजी संधि/शेयरधारकों का करार हो।”

(xiv) विनियम 72 में,—

(क) उप-विनियम (2) के परंतुक के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जायेगा,—

“स्पष्टीकरण : जहाँ संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) या संप्रवर्तक समूह से संबंधित किसी व्यक्ति ने सुसंगत तारीख से पूर्व छह महीने के दौरान निर्गमकर्ता में अपने इक्विटी शेयरों का विक्रय किया है, संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह अधिमानी आधार पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन के लिए अपात्र होंगे।”

(ख) उप-विनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा,—

“(3) जहाँ संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों) या संप्रवर्तक समूह से संबंधित किसी व्यक्ति ने निर्गमकर्ता के वारंटों के लिए पहले अभिदान किया हो, परंतु वारंटों का प्रयोग करने में असफल रहा हो, संप्रवर्तक और संप्रवर्तक समूह यथास्थिति :

(क) संप्रवर्तक के विकल्प का प्रयोग न होने के कारण वारंटों की अवधि की समाप्ति की तारीख से; या

(ख) वारंटों के रद्दकरण की तारीख से

“एक वर्ष की कालावधि के लिए अधिमानी आधार पर ऐसे निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम के लिए अपात्र होंगे।”

(xv) अनुसूची VIII में,—

(क) भाग क में,—

(i) मद (VIII) में—

i. उप-मद (घ) में, पैरा (4) में, उप-पैरा (ग) में, संख्या “(xii)” के लिए, संख्या “(xvi)” प्रतिस्थापित की जायेगी।

ii. उप-मद (ङ) में, शीर्षक “प्रबंधन” के अधीन, पैरा (1) में, उप-पैरा (क) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :—

“(क) (i) सूचीबद्ध कंपनियों जिनके शेयर बंबई स्टॉक एक्सचेंज लि./नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. में व्यापारित किये जाने से निलंबित किये गये हैं। निलंबित थे, में वर्तमान और भूतपूर्व निदेशक पद के निम्नानुसार ब्यौरे :

- कंपनी का नाम :
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जिसमें सूचीबद्ध है :
- स्टॉक एक्सचेंजों में निलंबन की तारीख :
- तीन महीनों से अधिक समय के लिए निलंबित : हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो निलंबन के कारण और निलंबन की कालावधि।
- क्या निलंबन का प्रतिसंहरण किया गया : हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो निलंबन के प्रतिसंहरण की तारीख।
- उपर्युक्त कंपनी (कंपनियों) में निदेशक पद की अवधि (सुसंगत तारीखों सहित) :

स्पष्टीकरण : उपर्युक्त ब्यौरे प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पाँच वर्ष पहले की अवधि के संबंध में दिये जायेंगे और रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने की तारीख तक अद्यतन किया ही जाना चाहिए। विनियम 10 के अधीन तीव्र (फास्ट ट्रेक) निर्गमों के लिए दाखिल किये गये प्रस्ताव दस्तावेज के मामले में, पाँच वर्षों की कालावधि की गणना कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस अथवा नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से की जायेगी।

(क) (ii) उन सूचीबद्ध कंपनियों में वर्तमान और भूतपूर्व निदेशक पद (पदों) के निम्नानुसार ब्यौरे, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) से असूचीबद्ध किया गया है/जो असूचीबद्ध थीं :

- कंपनी का नाम :
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जिसमें सूचीबद्ध है :
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में असूचीबद्धता की तारीख :
- अनिवार्य अथवा स्वैच्छिक असूचीबद्धता :
- असूचीबद्धता के कारण :
- क्या पुनःसूचीबद्ध है : हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में पुनःसूचीबद्धता की तारीख, स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, सहित :
- उपर्युक्त कंपनी (कंपनियों) में निदेशक पद की अवधि (सुसंगत तारीखों सहित) :

(ii) मद (IX) में, उप-मद (ख) में “निर्गमकर्ता की वित्तीय जानकारी” शीर्षक के अंतर्गत पैरा (22) के पश्चात्, एक नया पैरा (23) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा :

“(23) प्रोफार्मा वित्तीय विवरण

(1) इन विनियमों में अधिकथित अन्य अपेक्षाओं के अतिरिक्त और इस पैरा के उप-पैरा (3) में अनुबंध के अध्ययन, निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में प्रोफार्मा वित्तीय विवरण प्रकट करेगा, यदि—

(क) प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किये गये सबसे अंत के वार्षिक वित्तीय परिणामों की समाप्ति के पश्चात् निर्गमकर्ता द्वारा अर्जन या निर्निहितीकरण (डाइवेस्टमेंट) किया जाता है, जिसके कारण कुछ कंपनियाँ निर्गमकर्ता की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समनुयों बन जाती हैं/बनने से प्रविरत हो जाती हैं, और

(ख) ऐसी अर्जित या निर्निहित (डाइवेस्टेड) एंटिटी के वित्तीय विवरण निर्गमकर्ता कंपनी के वित्तीय विवरणों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

स्पष्टीकरण : अर्जित या निर्निहित (डाइवेस्टेड) एंटिटी के वित्तीय विवरण निर्गमकर्ता के वित्तीय विवरणों के लिए “महत्वपूर्ण” होंगे यदि :

- (i) अर्जित/निर्निहित (डाइवेस्टेड) एंटिटी की आस्तियों का कुल बही मूल्य निर्गमकर्ता की आस्तियों के अर्जन-पूर्व / निर्निहितीकरण (डाइवेस्टमेंट)-पूर्व बही मूल्य के 20 प्रतिशत से अधिक है;
- (ii) अर्जित/निर्निहित (डाइवेस्टेड) एंटिटी की कुल आय निर्गमकर्ता की अर्जन-पूर्व/निर्निहितीकरण (डाइवेस्टमेंट)-पूर्व कुल आय के 20 प्रतिशत से अधिक है।

(2) निम्नलिखित के संबंध में, प्रोफार्मा वित्तीय विवरण प्रकट किया जायेगा, अर्थात् :

- (i) अंतिम पूर्ण लेखा वर्ष, और
- (ii) अंतिम पूर्ण लेखा वर्ष की समाप्ति की तारीख से आरंभ होने वाली और उस तारीख को समाप्त होने वाली कालावधि, जब प्रस्ताव दस्तावेज में निर्गमकर्ता के वित्तीय विवरण प्रकट किये गये।

(3) जहाँ उक्त अर्जन या निर्निहितीकरण (डाइवेस्टमेंट) उपर्युक्त खंड 23(1) में विनिर्दिष्ट महत्ता के परीक्षण पूरा नहीं कर पाता है, भुगतान/प्राप्त किये गये प्रतिफल के साथ अर्जन या निर्निहितीकरण (डाइवेस्टमेंट) का तथ्य और ऐसे अर्जन के वित्तपोषण की रीति प्रकट की जायेगी।

(4) उपर्युक्त उप-खंड (2) और (3) के अनुसार प्रकट की गयी जानकारी निर्गमकर्ता के कानूनी लेखापरीक्षक द्वारा प्रमाणित की जायेगी।”

(iii) मद (XI) में, उप-मद (ट) में, शब्दों “भारतीय रिजर्व बैंक” के पश्चात्, शब्द “या बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण” अंतःस्थापित किये जाएंगे।

(ख) भाग ड में, मद (IX) में, पैरा (क) के अधीन, निम्नलिखित उप-पैरा अंतःस्थापित किये जाएंगे :—

“(1) उन सूचीबद्ध कंपनियों में वर्तमान और भूतपूर्व निदेशक पद के निम्नानुसार ब्यौरे, जिन्हें शेयर बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लि./नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. में व्यापारित किये जाने से निलंबित किये गये हैं / निलंबित थे :

- कंपनी का नाम :
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जिसमें सूचीबद्ध है :
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में निलंबन की तारीख :
- तीन वर्षों से अधिक समय के लिए निलंबित : हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो निलंबन के कारण और निलंबन की कालावधि :
- क्या निलंबन का प्रतिसंहरण किया गया : हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो निलंबन के प्रतिसंहरण की तारीख :
- उपर्युक्त कंपनी (कंपनियों) में निदेशक पद की अवधि (सुसंगत तारीखों सहित) :

स्पष्टीकरण : उपर्युक्त ब्यौरे प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करने की तारीख से पाँच वर्ष पहले की कालावधि के लिए दिये जाएंगे और रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने की तारीख तक अद्यतन किया ही जाने चाहिए। विनियम 10 के अधीन दाखिल किये गये तीव्र (फास्ट ट्रेक) निर्गमों के लिए प्रस्ताव दस्तावेज के मामले में, पाँच वर्षों की गणना कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस अथवा नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने की तारीख से की जाएगी।

(2) उन सूचीबद्ध कंपनियों में वर्तमान और भूतपूर्व निदेशक पद के ब्यौरे, जो स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) से असूचीबद्ध की गयी हैं/थीं :

- कंपनी का नाम :
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम, जिसमें सूचीबद्ध है :
- स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में असूचीबद्धता की तारीख :
- अनिवार्य अथवा स्वैच्छिक असूचीबद्धता :
- असूचीबद्धता के कारण :
- क्या पुनः सूचीबद्ध है : हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में पुनःसूचीबद्धता की तारीख, स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का (के) नाम सहित :
- उपर्युक्त कंपनी (कंपनियों) में निदेशक पद की अवधि (सुसंगत तारीखों सहित) :

(xvi) अनुसूची XIII में, भाग ग के पश्चात् निम्नलिखित भाग अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“भाग घ

[विनियम 60(14) देखें]

समाचार रिपोर्टों के संबंध में अनुपालना प्रमाण-पत्र

क्र. सं.	समाचार रिपोर्ट के ब्यौरे (समाचार-पत्र, तारीख इत्यादि)	विषय वस्तु	क्या समाचार की विषय वस्तु प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकटीकरणों से समर्थित है	यदि हाँ, तो प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज की पृष्ठ संख्या जहाँ प्रकटीकरण किया गया है	यदि नहीं, तो मर्चेन्ट बैंककारों द्वारा की गयी कार्रवाई
		हाँ	नहीं		

(xvii) अनुसूची XV में, संदर्भ शीर्षक में, अंक “107” के लिए, अंक “106” प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(xviii) अनुसूची XIX में, भाग ग में, संदर्भ शीर्षक में, अंक “101(6)” के लिए, अंक “101(5)” प्रतिस्थापित किया जाएगा।

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69 जेड-बी/10/असा.]

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009, सं.एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/15/174471 द्वारा, 26 अगस्त, 2009 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

4402 GI/10-2

2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 तत्परचात् :—
- (क) 11 दिसम्बर, 2009 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2009, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/23/186926, द्वारा
- (ख) 1 जनवरी, 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/25/189240, द्वारा
- (ग) 8 जनवरी, 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/26/190146, द्वारा
- (घ) 13 अप्रैल, 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/ 2009-10/15/174471, द्वारा संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 12th November, 2010

Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Fourth Amendment) Regulations, 2010

No. LAD-NRO/GN/2010-11/19/26456.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, namely :—

1. (a) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Fourth Amendment) Regulations, 2010.
- (ii) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009,—
 - (i) in regulation 2,—
 - (a) in sub-regulation (1), in clause (zd), after sub-clause (xi), the following sub-clause shall be inserted, namely :—

“(xii) insurance funds set up and managed by the Department of Posts, India.”
 - (b) in sub-regulation (1), in clause (ze), for the words “one lakh” the words “two lakhs” shall be substituted;
 - (c) in sub-regulation (1), in clause (zf), sub-clause (i) shall be omitted;
 - (d) in sub-regulation (1), in clause (zf), in sub-clause (ii), for the words “one lakh”, the words “two lakhs” shall be substituted.
 - (ii) in regulation 8, in sub-regulation (1), in clause (e), for the words “Schedule VII”, the words “Schedule VIII” shall be substituted.
 - (iii) in regulation 9, after sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(3) The issuer either on the date of filing the draft offer document with the Board or on the next day shall make a public announcement in one English national daily newspaper with wide circulation, one Hindi national daily newspaper with wide circulation and one regional language newspaper with wide circulation at the place where the registered office of the issuer is situated, disclosing to the public the fact of filing of draft offer document with the Board and inviting the public to give their comments to the Board in respect of disclosures made in the draft offer document.”
 - (iv) in regulation 16, in sub-regulation (1), in the proviso, after the words “public financial institution” the words “or an insurance company” shall be inserted;
 - (v) in regulation 26, in sub-regulation (5),—

- (a) sub-regulation (5) shall be substituted with the following, namely :—
- “(5) No issuer shall make an initial public offer if there are any outstanding convertible securities or any other right which would entitle any person with any option to receive equity shares.”
- (b) in the proviso, after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—
- “(c) fully-paid up outstanding convertible securities which are required to be converted on or before the date of filing of the red herring prospectus (in case of book-built issues) or the prospectus (in case of fixed price issues), as the case may be.”
- (vi) in regulation 29, in clause (a), for the words “one lakh”, the words “two lakhs” shall be substituted;
- (vii) in regulation 34, in clause (b), —
- (a) after the words “where the equity shares”, the words “of the issuer” shall be inserted;
- (b) the words “of the same class which are proposed to be allotted pursuant to conversion or exchange of convertible securities offered through the offer or are proposed to be allotted in the offer have been listed and” shall be omitted;
- (viii) in regulation 42, in sub-regulation (4), in clause (g), for the words “one lakh”, the words “two lakhs” shall be substituted.
- (ix) in regulation 43, in sub-regulation (2), in clause (c), the second proviso shall be omitted;
- (x) in regulation 50, in sub-regulation (1), in the proviso, for the words “one lakh”, the words “two lakhs” shall be substituted;
- (xi) in regulation 54, the following sub-regulation shall be inserted, namely : —
- “(7) The issuer shall give only one payment option out of the following to all the investors—
- (a) part payment on application with balance money to be paid in calls; or
- (b) full payment on application :
- Provided that where the issuer has given the part payment option to investors, such issuer shall obtain the necessary regulatory approvals to facilitate the same.”
- (xii) in regulation 55A, for the words “one lakh”, the words “two lakhs” shall be substituted.
- (xiii) in regulation 60, after sub-regulation (13), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—
- “(14) The merchant bankers shall submit a compliance certificate in the format specified in Part D of Schedule XIII, for the period between the date of filing the draft offer document with the Board and the date of closure of the issue, in respect of news reports appearing in any of the following media :
- (a) newspapers mentioned in sub-regulation (3) of regulation 9;
- (b) major business magazines;
- (c) print and electronic media controlled by a media group where the media group has a private treaty/shareholders’ agreement with the issuer or promoters of the issuer.”
- (xiv) in regulation 72,—
- (a) after the proviso to sub-regulation (2), the following Explanation shall be inserted,—
- “**Explanation:** Where any person belonging to promoter(s) or the promoter group has sold his equity shares in the issuer during the six months preceding the relevant date, the promoter(s) and promoter group shall be ineligible for allotment of specified securities on preferential basis.”
- (b) after sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be inserted,—
- “(3) Where any person belonging to promoter(s) or the promoter group has previously subscribed to warrants of an issuer but failed to exercise the warrants, the promoter(s) and promoter group shall be ineligible for issue of specified securities of such issuer on preferential basis for a period of one year from :
- (a) the date of expiry of the tenure of the warrants due to non-exercise of the option to convert; or

4402 GI/10-3

(b) the date of cancellation of the warrants,
as the case may be.”

(xv) in Schedule VIII,—

(a) in Part A,—

(I) in item (VIII)

i. in sub-item (D), in para (4), in sub-para (c), for the number “(XII)”, the number “(XVI)” shall be substituted.

ii. in sub-item (E), under the heading “Management”, in para (1), after sub-para (a), the following clauses shall be inserted, namely :—

“(a)(i) Details of current and past directorship(s) in listed companies whose shares have been/were suspended from being traded on the Bombay Stock Exchange Ltd. National Stock Exchange of India Ltd., as follows :

- Name of the Company :
- Listed on [give name of the Stock Exchange(s)] :
- Date of Suspension on stock exchanges :
- Suspended more than three months : Yes/No. If yes, reasons for suspension and period of suspension.
- Whether suspension revoked : Yes/No. If yes; date of revocation of suspension.
- Term (along with relevant dates) of Director in the above company(ies)

Explanation : The above details shall be given with respect to a period of five years prior to date of filing of draft offer document and ought to be updated up-to the date of filing of RHP. In case of offer documents for fast track issues filed under Regulation 10, the period of five years shall be reckoned on the date of filing of prospectus with Registrar of Companies or letter of offer with the designated stock exchange.

(a)(ii) Details of current and past directorship(s) in listed companies which have been/were delisted from the stock exchange(s), as follows :

- Name of the Company :
- Listed on [give name of the Stock Exchange(s)] :
- Date of delisting on the Stock Exchange(s) :
- Compulsory or voluntary delisting :
- Reasons for delisting :
- Whether relisted : Yes/No. If yes, date of relisting on [give name of the Stock Exchange(s)] :
- Term (along with relevant dates) of Director in the above company/ies.”

(II) in item (IX), in sub-item (B) under the heading “Financial Information of the issuer” after para (22), the following para shall be inserted as under :

“(23) Proforma Financial Statements

(1) In addition to other requirements laid down in these regulations and subject to the stipulation in sub-para (3) of this para, the issuer shall disclose Proforma Financial Statements in the offer document, if—

- (a) an acquisition or divestment is made by the issuer after the end of the latest disclosed annual financial results in the offer document, due to which certain companies become/cease to be direct or indirect subsidiaries of the issuer, and
- (b) the financial statements of such acquired or divested entity is material to the financial statements of the issuer company.

Explanation: The financial statements of the acquired or divested entity shall be "material" to the financial statements of the issuer if :

(i) the total book value of the assets of the acquired/divested entity amounts to more than 20% of the pre-acquisition/pre-divestment book value of the assets of the issuer;

or

(ii) the total income of the acquired/divested entity amounts to more than 20% of the pre-acquisition/pre-divestment total income of the issuer.

(2) Proforma Financial Statements shall be disclosed in respect of the following, namely:—

i. the last completed accounting year, and

ii. the period beginning from the date of the end of the last completed accounting year and ending on the date on which financial statements of the issuer have been disclosed in the offer document.

(3) Where the said acquisition or divestment does not fulfill the tests of materiality specified in clause 23(1)(b) above, the fact of the acquisition or divestment along with the consideration paid/received and the mode of financing such acquisition shall be disclosed.

(4) The information disclosed as per sub-clause (2) and (3) above shall be certified by the statutory auditor of the issuer."

(III) in item (XI), in sub-item (K), after the words "Reserve Bank of India" the words "or Insurance Regulatory and Development Authority" shall be inserted.

(b) in Part E, in item (IX), under para. (A), the following sub-paras shall be inserted—

"(1) Details of current and past directorship(s) for a period of five years in listed companies whose shares have been/were suspended from being traded on the Bombay Stock Exchange Ltd./National Stock Exchange of India Ltd., as follows:

- Name of the Company:
- Listed on [give name of the Stock Exchange(s)]
- Date of Suspension on stock exchanges:
- Suspended more than three months: Yes/No. If yes, reasons for suspension and period of suspension.
- Whether suspension revoked: Yes/No. If yes, date of revocation of suspension.
- Date and Term of Director in the above company(ies):

Explanation: The above details shall be given for a period of five years prior to date of filing of draft offer document and ought to be updated upto the date of filing of the red herring prospectus. In case of offer documents for fast track issues filed under Regulation 10, the period of five years shall be reckoned on the date of filing of prospectus with Registrar of Companies or letter of offer with the designated stock exchange.

(2) Details of current and past directorship in listed companies who have been/were delisted from the stock exchange(s):

- Name of the Company:
- Listed on [give name of the Stock Exchange(s)]:
- Date of delisting on the Stock Exchange(s):
- Compulsory or voluntary delisting:
- Reasons for delisting:
- Whether relisted: Yes/No. If yes, date of relisting on [give name of the Stock Exchange/(s)].
- Date and Term of Director in the above company/ies."

(xvi) in Schedule XIII, after Part C, the following Part shall be inserted, namely :—

“Part D

[See regulation 60(14)]

COMPLIANCE CERTIFICATE IN RESPECT OF NEWS REPORTS

Sl. No	News report details (Newspaper, date, etc)	Subject Matter	Whether contents of the news report are supported by disclosures in the offer document	If yes, page numbers in the draft offer document where the disclosures are made	If no, action taken by the merchant bankers
Yes/No					”

(xvii) in Schedule XV, in reference heading, for the number “107”, the number “106” shall be substituted;
 (xviii) in Schedule XIX, in Part C, in reference heading, for the number “101 (6)”, the number “101(5)” shall be substituted.

C. B. BHAVE, Chairman

[ADVT III/4/69 ZB/10-Exty.]

Footnote:

1. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were published in the Gazette of India on 26th August, 2009 *vide* No. LAD-NRO/GN/2009-10/15/174471.
2. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were subsequently amended on:—
 - (a) 11th December, 2009 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2009 *vide* No. LAD-NRO/GN/2009-10/23/186926.
 - (b) 1st January, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2010 *vide* No. LAD-NRO/GN/2009-2010/25/189240.
 - (c) 8th January, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Second Amendment) Regulations, 2010 *vide* No. LAD-NRO/GN/2009-10/26/190146.
 - (d) 13th April, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Third Amendment) Regulations, 2010 *vide* No. LAD-NRO/GN/2009-10/15/174471.
